नैक (NAAC) द्वारा ‘A’ ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997] क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

कार्यकारी कुलपति प्रो. कारुण्यकरा ने जताया खेद

वर्धा, 19 अगस्त 2018: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कार्यकारी कुलपति प्रो. एल. कारुण्यकरा ने पूर्व प्रधान मंत्री भारत रत्न माननीय अटल बिहारी वाजपेयी को श्रद्धांजलि प्रदान करते वक्त दिए गये वक्तव्य पर अपनी ओर से खेद प्रकट किया है। उन्होंने कहा है कि मनुष्य होने के नाते हर व्यक्ति कुछ अच्छा और बुरा भी करता है। श्रद्धांजलि के समय में अच्छी ही बात करना हमारी परम्परा है, साथ ही बुराई को माफ करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना करना भी हमारी परम्परा है। दिवंगत माननीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी ने भारत के संविधान की समीक्षा करने के लिए कमिटी गठित की गई थी, और यह भी कहा था कि मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि उन्हे माफ करें और उनकी आत्मा को शांति दें। मेरे द्वारा दिया गया उक्त वक्तव्य किसी की भावनाओं को आहत करने के लिए कतई नहीं था। अगर मेरे इस वक्तव्य से किसी की भावना आहत हुई है तो मैं इसके लिए अपनी ओर से खेद व्यक्त करता हूँ। मेरी किसी को भी अपमानित करने की मंशा बिलकुल भी नहीं थी। मेरा अनुरोध है कि मेरे इस वक्तव्य का कृपया कोई गलत अर्थ न लगाये।

प्रो. एल. कारुण्यकरा

कार्यकारी कुलपति , महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा